कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 227 कानपुर, शनिवार 08 फरवरी 2025 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

राजभवन में लगी तीन दिवसीय साग-भाजी, फल फूल एवं पुष्प प्रदर्शनी

महामहिम राज्यपाल ने कृषि मॉडल का किया अवलोकन

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में सब्जी विज्ञान विभाग ने राज भवन प्रांगण में 7 से 9 फरवरी 2025 (तीन दिवसीय) तक आयोजित होने वाले प्रादेशिक साग भाजी,फल फूल एवं पुष्प प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित इंटेलीजेंट मेंबरेन कल्चर फिल्म फार्मिंग टेक्नोलॉजी मॉडल एवं सब्जियों की विभिन्न प्रजातियों जैसे आजाद मटर- 3, आजाद मटर-1, आजाद मटर-2, टमाटर की प्रजातियां जैसे कल्याणपुर टाइप -3, कल्याणपुर टाइप - 2,कल्याणपुर टाइप- 1 एवं कल्याणपुर टाइप -5, आजाद मिर्च-1,तथा आलू की कुफरी नीलकंठ, आजाद हल्दी-1 इत्यादि को प्रदर्शित किया गया है। साथ ही विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा तैयार मोटे अनाजों के विभिन्न व्यंजनों का प्रदर्शन भी किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश की राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल द्वारा विश्वविद्यालय में विकसित सब्जी की विभिन्न प्रजातियां, एक जिला एक उत्पाद मॉडल एवं कृषि मॉडल का अवलोकन किया तथा उन्हें सराहा। डॉक्टर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित यह मॉडल विषम क्षेत्रों में भी चेरी टमाटर का उत्पादन कर सकते है। इस विधि में 70ब तक पानी की कम आवश्यकता होती है साथ ही इस विधि में तरल पोषक तत्व दिए जाते हैं। इसमें फल गुणवत्ता युक्त होते हैं तथा अन्य फलों की तुलना में विटामिन सी व अन्य पोषक तत्व ज्यादा होते हैं।

बताया कि राज्यपाल द्वारा विश्वविद्यालय के पंडाल में भ्रमण कर विधिवत निरीक्षण किया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित कृषि मॉडल की प्रमुखता से जानकारी ली। और कहा कि कृषकों तक इस प्रकार के मॉडल पहुंचने की आवश्यकता है। प्रदर्शनी में आए हुए लोगों के लिए कृषि मॉडल प्रमुखतया आकर्षण का केंद्र रहा। निदेशक शोध डॉ पीके सिंह इस अवसर पर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने भी विश्वविद्यालय द्वारा लगाए गए स्टाल पर सब्जियों की विभिन्न तकनीकियों का अवलोकन किया। तथा उन्हें सराहा । इस प्रदर्शनी में निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर केके सिंह, डॉ आर पी एन सिंह, डॉक्टर अजय यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

राजभवन में लगी तीन दिवसीय साग-भाजी, फल फूल एवं पुष्प प्रदर्शनी, सीएसए के कृषि मॉडल ने लोगों को लुभाया

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में सब्जी विज्ञान विभाग ने राज भवन प्रांगण में दिनांक 7 से 9 फरवरी 2025 (तीन दिवसीय) तक आयोजित होने वाले प्रादेशिक साग भाजी,फल फूल एवं पुष्प प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित इंटेलीजेंट मेंबरेन कल्चर फिल्म फार्मिंग टेक्नोलॉजी मॉडल एवं सब्जियों की विभिन्न प्रजातियों जैसे आजाद मटर- 3, आजाद मटर-1, आजाद मटर-2, टमाटर की प्रजातियां जैसे कल्याणपुर टाइप -3, कल्याणपुर टाइप -2,कल्याणपुर टाइप- 1 एवं कल्याणपुर टाइप -5, आजाद मिर्च-1,तथा आलू की कुफरी नीलकंठ, आजाद हल्दी-1 इत्यादि को प्रदर्शित किया गया है। साथ ही विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा तैयार मोटे अनाजों के विभिन्न व्यंजनों का प्रदर्शन भी किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश की श्रीराज्यपाल महोदया द्वारा विश्वविद्यालय में विकसित सब्जी की विभिन्न प्रजातियां, एक जिला एक उत्पाद मॉडल एवं कृषि मॉडल का अवलोकन किया तथा उन्हें सराहा। डॉक्टर सिंह ने बताया कि राज्यपाल महोदया द्वारा विश्वविद्यालय के पंडाल में भ्रमण कर विधिवत निरीक्षण किया गया। राज्यपाल महोदया ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित कृषि मॉडल की प्रमुखता से जानकारी ली। और कहा कि कृषकों तक इस प्रकार के मॉडल पहुंचने की आवश्यकता है। प्रदर्शनी में आए हुए लोगों के लिए कृषि मॉडल प्रमुखतया आकर्षण का केंद्र रहा। निदेशक शोध डॉ पीके सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित यह मॉडल विषम क्षेत्रों में भी चेरी टमाटर का उत्पादन कर सकते है। इस विधि में 70 प्रतिशत तक पानी की कम आवश्यकता होती है साथ ही इस विधि में तरल पोषक तत्व दिए जाते हैं। इसमें फल गुणवत्ता युक्त होते हैं तथा अन्य फलों की तुलना में विटामिन सी व अन्य पोषक तत्व ज्यादा होते हैं। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार सिंह ने भी विश्वविद्यालय द्वारा लगाए गए स्टाल पर सब्जियों की विभिन्न तकनीकियों का अवलोकन किया। तथा उन्हें सराहा । इस प्रदर्शनी में निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर केके सिंह, डॉ आर पी एन सिंह, डॉक्टर अजय यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

अमर उजाला 08/02/2025

राजभवन में प्रदर्शनी में लगाए स्टॉल

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के वैज्ञानिकों ने भी राजभवन में लगी तीन दिवसीय साग-भाजी, फल-फूल और पुष्प प्रदर्शनी में स्टॉल लगाकर अपने उत्पाद और तकनीक का प्रदर्शन किया है। विवि के गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं ने मोटे अनाजों के विभिन्न व्यंजनों का भी प्रदर्शन किया। कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने बताया कि प्रदर्शनी में विवि की विकसित इंटेलीजेंट मेंबरेन कल्चर फिल्म फार्मिंग टेक्नोलॉजी मॉडल और सब्जियों की विभिन्न प्रजातियों का प्रदर्शन किया गया। ब्यूरो

पॉइंट ऑफ व्यू पर व्याख्यान दिया। उन्होंने फेक जर्नल की पहचान करना सीखाया। डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने पब्लिशिंग रिसर्च इन हाई वैल्यू जर्नल पर व्याख्यान दिया। रिसर्च में शीर्षक से प्रकाशन तक के चरणों को बताया। यहां पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार श्रीवास्तव, डॉ. रवि शुक्ला रहे।

राजभवन में हुई सीएसए की तकनीक की प्रशंसा

कानपुर। राजभवन में लगी तीन दिवसीय साग-भाजी, फल-फूल और पुष्प प्रदर्शनीं में सीएसए के वैज्ञानिकों ने भी स्टॉल लगा उत्पाद और तकनीक का प्रदर्शन किया है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सीएसए की तकनीक और उत्पादों की प्रशंसा की। विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने बताया कि प्रदर्शनी में विवि की विकसित इंटेलीजेंट मेंबरेन कल्चर फिल्म फार्मिंग टेक्नोलॉजी मॉडल और सब्जियों की विभिन्न प्रजातियां को प्रदर्शित किया गया। विवि की छात्राओं ने मोटे अनाजों के विभिन्न व्यंजनों का भी प्रदर्शन किया।

ग्राम पंचायत अधिकारी के नाम पर 10 लाख ठगे

कल्याणपुर। पनकी में ग्राम पंचायत अधिकारी की नौकरी लगवाने के नाम पर लाखों की धोखाधड़ी हो गई। कमिश्नर के निर्देश पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। रतनपुर निवासी अजय कुमार ने बताया कि उनके घर में बी ब्लॉक पनकी में रहने वाले मनोज कुमार का आना-जाना था। मनोज खुद को ग्राम पंचायत कर्मी बताता

युवक के आत्महत्या करने से 45 मिनट तक खड़ी रही वंदेभारत

जासं, कानपुर: सेंट्रल स्टेशन पर अयोध्या वंदेभारत के आगे कूदकर एक युवक ने आत्महत्या कर ली। इस कारण वंदेभारत एक्सप्रेस 45 मिनट तक सेंट्रल स्टेशन पर खड़ी रही। जीआरपी थाना प्रभारी के अनुसार युवक का पत्नी से महाकुंभ जाने को लेकर विवाद हुआ था।

झारखंड के धनबाद कौआ बांध का रहने वाला 26 वर्षीय सूरज यादव पत्नी शोभा कुमारी, साली व सास के साथ शुक्रवार को घर जाने के लिए सेंट्रल स्टेशन पहुंचा। वह प्लेटफार्म सात पर बैठकर ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान उसकी पत्नी से कहासुनी हो गई। तभी 22436 अयोध्या वंदेभारत एक्सप्रेस आती नजर आई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अचानक प्लेफार्म से ट्रेन की ओर दौड़ा उसके आगे कूद गया। ट्रेन से कर उसकी मौके पर ही मौत गई।

विवाद की वजह स्पष्ट नहीं लेकिन आसपास के लोगों ने ा कि पत्नी घर जाने से पहले भ जाने की जिद कर रही सूरज पहले घर और उसके ंगम स्नान की बात कह रहा सी को लेकर दोनों में विवाद जीआरपी थाना प्रभारी ओएन बताया कि सूरज परिजनों के र में ही ईट-भट्ठे पर काम ा।

से छेड़छाड़ : कानपुर : बर्रा ा से स्कूटी सवार ने छेड़छाड़ । स्वजन ने उसे पुलिस को या। थाना प्रभारी कहना है ई की जाएगी। जासं

इंटेलीजेंट मेंब्रेन कल्चर माडल को किसानों तक पहुंचाएं : राज्यपाल

जासं, कानपुर: राजभवन लखनऊ में आयोजित प्रादेशिक शाक भाजी, फल-फूल एवं पुष्प प्रदर्शनी में इंटेलीजेंट मेंब्रेन कल्चर फिल्म फार्मिंग टेक्नोलाजी माडल देखकर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय(सीएसए) कुलपति से कहा कि इसे ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचाएं।

सीएसए की ओर से प्रादेशिक शाक भाजी फल फूल एवं पुष्प प्रदर्शनी में टेक्नोलाजी माडल का प्रदर्शन किया गया। सीएसए के निदेशक शोध डा.पीके सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के इस माडल को देख राज्यपाल बहुत खुश हुईं। उन्होंने कुलपति डा.आनंद कुमार सिंह से कहा कि इस कृषि माडल को सरकार की मदद से किसानों तक पहुंचाएं। डा. सिंह ने बताया कि इस माडल की मदद से विषम क्षेत्रों में भी चेरी टमाटर का उत्पादन कर सकते है। इस विधि में 70 प्रतिशत तक पानी की कम आवश्यकता होती है साथ ही इस विधि में तरल पोषक तत्व दिए जाते हैं। इससे तैयार फलों में अन्य फलों की तुलना में विटामिन सी व अन्य पोषक तत्व ज्यादा होते हैं।

प्रदर्शनी में मटर, टमाटर, मिर्च, आलू, हल्दी की विभिन्न प्रजातियों और विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा तैयार मोटे अनाजों के विभिन्न व्यंजनों का प्रदर्शन भी किया गया है। निदेशक प्रसार डा.आरके यादव, वरिष्ठ विज्ञानी डा.केके सिंह, डा.आरपीएन सिंह, डा.अजय यादव उपस्थित रहे।

भइया... पानी ऐ

राखी मंडी और जूही बंबुरहिया के पानी

आलोक त्रिपाठी • जागरण

10 फीसदी कमाई क पानी खरीदने में

कानपुर: राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के आदेश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम जांच के लिए आई थी। उन्होंने इलाके के पानी को जहरीला बताते हुए पीने से मना किया। उसके बाद से सफाई और घरेलू कामों के लिए इसका इस्तेमाल करते थे। लेकिन, भइया.. पानी ऐसा है कि लोहे तक को गलाए दे रहा है। ऐसे में बोतल बंद पानी इस्तेमाल कर रहे हैं। यह कहना है कि राखी मंडी, जूही बंबुरहिया में रहने वाले लोगों का। बता दें कि जांच में यहां के पानी में क्रोमियम और पारा पाया गया था जो लोगों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

क्षेत्र में रहने वाले विजय ने बताया कि रोजमर्रा के काम के लिए पानी की बोतल मंगाकर काम चलाना पड़ रहा है। इससे जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा। दिनभर में दो सौ रुपये कमा पाते हैं। कमाई का 10 फीसदी हिस्सा पानी खरीदने में ही खर्च हो जाता है। वहीं, स्थानीय निवासी शिवा ने बताया कि इलाके में मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। पानी भी पीने योग्य नहीं रह गया है। नगर निगम की ओर से पानी का टैंकर भेजने की बात कही गई थी, लेकिन आज तक एक भी बार टैंकर नहीं आया है। इसके अलावा स्थानीय निवासी ज्योति ने बताया कि इलाके में पानी से लेकर सड़क और जल निकासी की समस्याएं हैं, लेकिन रहने का कोई दूसरा ठिकाना

राखी मंडी में जलक पेयजल लाइन डाली पानी की सप्लाई की जा र कोई समस्या है तो इसकी जाएगी। जूही बंबुरहिया में के आदेश पर की गई जां क्रोमियम और पारा पाया पर एक संबसिर्बल को ब है। पेयजल लाइन डालने किया जा रहा है।

पीके सिंह, जलकल सचि

गहरी बोरिंग कर

शालू कनौजिया, स्थानीय पार्षद • स

से इलाके गहरी बो साथ वाटर प्यूरीफ मांग की गई है, त पेयजल उपलब्ध से निजात दिलाय

नहीं है। ऐसे है। अगर को तो यहां से क होते।

एक महीने है प्यूरीफाय निवासी मी

निजी स्कूलों की मनमा

राजभवन में लगी तीन दिवसीय साग-भाजी, फल फूल एवं पुष्प प्रदर्शनी, सीएसए के कृषि मॉडल ने लोगों को लुभाया

दि ग्राम टुडे, कानपुर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में सब्जी विज्ञान विभाग ने राज भवन प्रांगण में दिनांक 7 से 9 फरवरी 2025 (तीन दिवसीय) तक आयोजित होने वाले प्रादेशिक साग भाजी,फल फूल एवं पुष्प प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित इंटेलीजेंट मेंबरेन कल्चर फिल्म फार्मिंग टेक्नोलॉजी मॉडल एवं सब्जियों की विभिन्न प्रजातियों जैसे आजाद मटर- 3, आजाद मटर-1, आजाद मटर-2, टमाटर की प्रजातियां जैसे कल्याणपुर टाइप -3, कल्याणपुर टाइप -2,कल्याणपुर टाइप- 1 एवं कल्याणपुर टाइप -5, आजाद मिर्च-1,तथा आलू की कुफरी नीलकंठ, आजाद हल्दी-1 इत्यादि को प्रदर्शित किया गया है। साथ ही विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा तैयार मोटे अनाजों के विभिन्न व्यंजनों का प्रदर्शन भी किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश की श्रीराज्यपाल महोदया द्वारा विश्वविद्यालय में विकसित सब्जी की विभिन्न प्रजातियां, एक जिला एक उत्पाद मॉडल एवं कृषि मॉडल का अवलोकन किया तथा उन्हें सराहा। डॉक्टर सिंह ने बताया कि श्रीराज्यपाल महोदया द्वारा विश्वविद्यालय के पंडाल में भ्रमण कर विधिवत निरीक्षण किया। राज्यपाल महोदया ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित कृषि मॉडल की प्रमुखता से जानकारी ली। और कहा कि कृषकों तक इस प्रकार के मॉडल पहुंचने की आवश्यकता है। प्रदर्शनी में आए हुए लोगों के लिए कृषि मॉडल प्रमुखतया आकर्षण का केंद्र रहा। निदेशक शोध डॉ पीके सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित यह मॉडल विषम क्षेत्रों में भी चेरी टमाटर का उत्पादन कर सकते है। इस विधि में 70% तक पानी की कम आवश्यकता होती है साथ ही इस विधि में तरल पोषक तत्व दिए जाते हैं। इसमें फल गुणवत्ता युक्त होते हैं तथा अन्य फलों की तुलना में विटामिन सी व अन्य पोषक तत्व ज्यादा होते हैं। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार सिंह ने भी विश्वविद्यालय द्वारा लगाए गए स्टाल पर सब्जियों की विभिन्न तकनीकियों का अवलोकन किया। तथा उन्हें सराहा । इस प्रदर्शनी में निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर केके सिंह, डॉ आर पी एन सिंह, डॉक्टर अजय यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

-39 शनिवार 8 फरवरी 2025 लखनऊ व एटा से प्रकशित R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ- 4

राजभवन में लगी तीन दिवसीय साग-भाजी, फल फूल एवं पुष्प प्रदर्शनी, सीएसए के कृषि मॉडल ने लोगों को लुभाया

अनवर अशरफ

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में सब्जी विज्ञान विभाग ने राज भवन प्रांगण में दिनांक 7 से 9 फरवरी 2025 (तीन दिवसीय) तक आयोजित होने वाले प्रादेशिक साग भाजी,फल फूल एवं पुष्प प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित इंटेलीजेंट मेंबरेन कल्चर फिल्म फार्मिंग टेक्नोलॉजी मॉडल एवं सब्जियों की विभिन्न प्रजातियों जैसे आजाद मटर- 3, आजाद मटर-1, आजाद मटर-2, टमाटर की प्रजातियां जैसे कल्याणपुर टाइप - 3, कल्याणपुर टाइप -2,कल्याणपुर टाइप- 1 एवं कल्याणपुर टाइप -5, आजाद मिर्च-1,तथा आलू की कुफरी नीलकंठ, आजाद हल्दी-1 इत्यादि को प्रदर्शित किया गया है। साथ ही विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा तैयार मोटे अनाजों के विभिन्न व्यंजनों का प्रदर्शन भी किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश की

श्रीराज्यपाल महोदया द्वारा विश्वविद्यालय में विकसित सब्जी की विभिन्न प्रजातियां, एक जिला एक उत्पाद मॉडल एवं कृषि मॉडल का अवलोकन किया तथा उन्हें सराहा। डॉक्टर सिंह ने बताया कि श्रीराज्यपाल महोदया द्वारा विश्वविद्यालय के पंडाल में भ्रमण कर विधिवत निरीक्षण किया। राज्यपाल महोदया ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित कृषि मॉडल की प्रमुखता से जानकारी ली। और कहा कि कृषकों तक इस प्रकार के मॉडल पहुंचने की आवश्यकता है। प्रदर्शनी में आए हुए लोगों के लिए कृषि मॉडल प्रमुखतया आकर्षण का केंद्र रहा। निदेशक शोध डॉ पीके सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित यह मॉडल विषम क्षेत्रों में भी चेरी टमाटर का उत्पादन कर सकते है। इस विधि में 70ब तक पानी की कम आवश्यकता होती है साथ ही इस विधि में तरल पोषक तत्व दिए जाते हैं। इसमें फल गुणवत्ता युक्त होते हैं तथा अन्य फलों की तुलना में विटामिन सी व अन्य पोषक तत्व ज्यादा होते हैं। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार सिंह ने भी विश्वविद्यालय द्वारा लगाए गए स्टाल पर सब्जियों की विभिन्न तकनीकियों का अवलोकन किया। तथा उन्हें सराहा । इस प्रदर्शनी में निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर केके सिंह, डॉ आर पी एन सिंह, डॉक्टर अजय यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

राज्यपाल को पसंद आया नीलकंठ आलू

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। राजभवन में लगी तीन दिवसीय शाक-भाजी, फल फूल एवं पुष्प प्रदर्शनी में सीएसए के कृषि मॉडल प्रदर्शित किए गए। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल कुफरी नीलकंठ आलू, आजाद हल्दी की खासियत जानकर प्रभावित हुईं। प्रदर्शनी में सीएसए ने इंटेलीजेंट मेंबरेन कल्चर फिल्म फार्मिंग टेक्नोलॉजी मॉडल एवं सब्जियों की विभिन्न प्रजातियों को प्रदर्शित किया। इनमें आजाद मटर- 3, आजाद मटर-1, आजाद मटर-2, टमाटर की प्रजातियां जैसे कल्याणपुर टाइप -3, कल्याणपुर टाइप -2,कल्याणपुर टाइप-1 एवं कल्याणपुर टाइप -5, आजाद मिर्च-1,तथा आलू की कुफरी नीलकंठ, आजाद हल्दी-1 ने सभी को आकर्षित किया। विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान

राज्यपाल को जानकारी देते कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह। अमृत विचार

- **राजभवन में लगी शाक भाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी में सीएसए के कृषि मॉडलों ने लुभाया**

महाविद्यालय की छात्राओं ने मोटे अनाजों के विभिन्न व्यंजनों का प्रदर्शन किया। कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में विकसित सब्जी की विभिन्न प्रजातियां, एक जिला एक उत्पाद मॉडल एवं कृषि मॉडल का अवलोकन करते हुए कहा कि कृषकों तक इस प्रकार के मॉडल पहुंचाने की आवश्यकता है। निदेशक शोध डॉ पीके सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मॉडल विषम क्षेत्रों में भी चेरी टमाटर का उत्पादन कर सकते है। इसमें 70 फीसदी तक पानी की कम आवश्यकता होती है। फल गुणवत्ता युक्त होते हैं।

मौसम
अधिकतम तापमान 23.c
09.c न्यूनतम तापमान
बाजार
सोना 78.840g
चांदी 91.000 kg
सेंसेक्स 81,053.19

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

04 विकसित भारत में दिखे स्वर्णिम अतीत, लेकिन विभाजन की छाया से मुक्त होना जरूरी

रकुल प्रीम संग काम को लेकर बो

वर्ष :10 अंक :353 लखनऊ से प्रकाशित लखनऊ ,शनिवार 08 फरवरी 2025 पृष्ठ : 08

राजभवन में लगी तीन दिवसीय साग-भाजी, फल फूल एवं पुष्प प्रदर्शनी

महामहिम राज्यपाल ने कृषि मॉडल का किया अवलोकन

यूपी मैसेंजर संवादाता

कानपुर,सीएसए के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में सब्जी विज्ञान विभाग ने राज भवन प्रांगण में 7 से 9 फरवरी 2025 (तीन दिवसीय) तक आयोजित होने वाले प्रादेशिक साग भाजी,फल फूल एवं पुष्प प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित इंटेलीजेंट मेंबरेन कल्चर फिल्म फार्मिंग टेक्नोलॉजी मॉडल एवं सब्जियों की विभिन्न प्रजातियों जैसे आजाद मटर- 3, आजाद मटर-1, आजाद मटर-2, टमाटर की प्रजातियां जैसे कल्याणपुर टाइप -3, कल्याणपुर टाइप -2,कल्याणपुर टाइप- 1 एवं कल्याणपुर टाइप -5, आजाद मिर्च-1,तथा आलू की कुफरी नीलकंठ, आजाद हल्दी-1 इत्यादि को प्रदर्शित किया गया है। साथ ही विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा तैयार मोटे अनाजों के विभिन्न व्यंजनों का प्रदर्शन भी किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश की राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल द्वारा विश्वविद्यालय में विकसित सब्जी की विभिन्न प्रजातियां, एक जिला एक उत्पाद मॉडल एवं कृषि मॉडल का अवलोकन किया तथा उन्हें सराहा। डॉक्टर सिंह ने बताया कि राज्यपाल द्वारा विश्वविद्यालय के पंडाल में भ्रमण कर विधिवत निरीक्षण किया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित कृषि मॉडल की प्रमुखता से जानकारी ली। और कहा कि कृषकों तक इस प्रकार के मॉडल पहुंचने की आवश्यकता है। प्रदर्शनी में आए हुए लोगों के लिए कृषि मॉडल प्रमुखतया आकर्षण का केंद्र रहा। निदेशक शोध डॉ पीके सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित यह मॉडल विषम क्षेत्रों में भी चेरी टमाटर का उत्पादन कर सकते है। इस विधि में 70% तक पानी की कम आवश्यकता होती है साथ ही इस विधि में तरल पोषक तत्व दिए जाते हैं। इसमें फल गुणवत्ता युक्त होते हैं तथा अन्य फलों की तुलना में विटामिन सी व अन्य पोषक तत्व ज्यादा होते हैं।

स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

स्वतंत्र भारत

कानपुर, शनिवार
8 फरवरी, 2025
माघ मास शुक्ल पक्ष 1
सं. 2081 वि.
वर्ष 36, अंक -171 पृष्ठ 12
संस्करण : महानगर

राजभवन में लगी तीन दिवसीय साग-भाजी फल-फूल एवं पुष्प प्रदर्शनी

महामहिम राज्यपाल ने कृषि मॉडल का किया अवलोकन

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में सब्जी विज्ञान विभाग ने राज भवन प्रांगण में 7 से 9 फरवरी 2025 ; तीन दिवसीयद्ध तक आयोजित होने वाले प्रादेशिक साग भाजीएफल फूल एवं पुष्प प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित इंटेलीजेंट में बरेन कल्चर फिल्म फार्मिंग टेक्नोलॉजी मॉडल एवं सब्जियों की विभिन्न प्रजातियों जैसे आजाद मटर. 3, आजाद मटर.1- आजाद मटर.2- टमाटर की प्रजातियां जैसे कल्याणपुर टाइप .3- कल्याणपुर टाइप .2- कल्याणपुर टाइप. 1 एवं कल्याणपुर टाइप .5ए आजाद मिर्च.1एतथा आलू की कुफरी नीलकंठए आजाद हल्दी.1 इत्यादि को प्रदर्शित किया गया है। साथ ही विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा तैयार मोटे अनाजों के विभिन्न व्यंजनों का प्रदर्शन भी किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश की राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल द्वारा विश्वविद्यालय में विकसित सब्जी की विभिन्न प्रजातियांए एक जिला एक उत्पाद मॉडल एवं कृषि मॉडल का अवलोकन किया तथा उन्हें सराहा। डॉक्टर सिंह ने बताया कि राज्यपाल द्वारा विश्वविद्यालय के पंडाल में भ्रमण कर विधिवत निरीक्षण किया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित कृषि मॉडल की प्रमुखता से जानकारी ली। और कहा कि कृषकों तक इस प्रकार के मॉडल पहुंचने की आवश्यकता है। प्रदर्शनी में आए हुए लोगों के लिए कृषि मॉडल प्रमुखतया आकर्षण का केंद्र रहा। निदेशक शोध डॉ पीके सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित यह मॉडल विषम क्षेत्रों में भी चेरी टमाटर का उत्पादन कर सकते है। इस विधि में 70: तक पानी की कम आवश्यकता होती है साथ ही इस विधि में तरल पोषक तत्व दिए जाते हैं। इसमें फ ल गुणवत्ता युक्त होते हैं तथा अन्य फ्लों की तुलना में विटामिन सी व अन्य पोषक तत्व ज्यादा होते हैं। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने भी विश्वविद्यालय द्वारा लगाए गए स्टाल पर सब्जियों की विभिन्न तकनीकियों का अवलोकन किया। तथा उन्हें सराहा । इस प्रदर्शनी में निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादवए वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर केके सिंह, डॉ आर पी एन सिंह, डॉक्टर अजय यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।